भजन

तर्ज–दीवानो से ये मत पूछो

पिया हाल हमारा मत पूछो
इस खेल में क्या क्या गुजरी है
क्या खूब लडाया लाड पिया
इस लाड में क्या क्या गुजरी है

1–तेरे बल से पिया सब सह लेगें
जिस हाल में चाहो हम रह लेगें
तुम सामने बैठे सब जानो
अब रूहों पे क्या गुजरी है

2–तुम मस्ती लुटाते रहते हो
फिर क्यूं प्यासे रह जाते है
वो कायम मस्ती लौटा दो
जो चढ़ के कभी ना उतरी है

3–हम शिकवे गिले भी करते है
और कुछ कहने से डरते है
यह हाल हमारा कैसा हुआ
तुम जानो क्या मजबूरी है